भारतीय द्वीप समूह

Dr. Sabiha Khan

- नीति आयोग के अनुसार भारत में कुल 1382 अपतटीय द्वीप है भारतीय।
- भारत में कुल 615 सुदूरवर्ती द्वीप है, जिनमें से 572 द्वीप बंगाल की खाड़ी में तथा शेष 43 अरब सागर में स्थित है।
- खाड़ी तथा सागर दोनों में स्थित द्वीप, संरचनात्मक दृष्टि से भिन्नता रखते हैं।
- इनके अतिरिक्त मन्नार की खाड़ी तथा खंभात क्षेत्र में प्रवाल दीप एवं गंगा के मुहाने पर अपतटीय द्वीप पाए जाते हैं।
- अरब सागर के द्वीप प्राचीन भूखंड के अवशिष्ट भाग हैं तथा प्रवाल भित्ति द्वारा निर्मित है।
- बंगाल की खाड़ी के द्वीप पर टरशरी पर्वत माला की धरातलीय विशेषता के परिचायक है तथा समुद्र तल से 750 मीटर की ऊंचाई तक स्थित है।

अरब सागर के द्वीप:

- यह द्वीप कच्छ की खाड़ी से लेकर सुदूर दक्षिण में कुमारी अंतरीप तक फैले हुए हैं।
- इनको दो भागों में वर्गीकृत किया गया है:-

1. तट के निकटवर्ती द्वीप:-

- गुजरात के काठियावाड़ के दक्षिण-पूर्व के निकट तट पर चट्टानी द्वीप मिलते हैं, जिनमें पीरम तथा भोसला द्वीप प्रमुख है।
- मुंबई के निकट हेनरी तथा केंनरी द्वीप स्थित है ,मुंबई तथा मुख्य भूमि के बीच बूचर द्वीप, स्वेफेंटा द्वीप तथा बेसिन के निकट अरनाला द्वीप मुख्य है।
- मंगलूर के उत्तर में भटकल द्वीप व पिजनकॉक द्वीप स्थित है।

- तट के निकट बालू मिट्टी से निर्मित द्वीप भी मिलते हैं।
- इस प्रकार के द्वीप खंभात की खाड़ी तथा नर्मदा एवं ताप्ती नदी के मुहाने पर पाए जाते हैं।
- खंभात की खाड़ी में दीयू द्वीप तथा कच्छ की खाड़ी में वैद, नोरा, पिरटान, करूंभार द्वीप स्थित है।
- नर्मदा एवं ताप्ती नदियों के चौड़े मुहानो के निकट खड़िया वेट, आलिया वेट तथा अनेक छोटे द्वीप मिलते हैं।

2. तट से सुदूरवर्ती द्वीप:

- लक्षद्वीप समूह , इस श्रेणी का द्वीप है।
- 1 नवंबर 1973 से पहले इन्हें लक्ष्यदीप, मिनिकॉय एवं अमीनी द्वीप नाम से जाना जाता था।
- लक्षद्वीप का शाब्दिक अर्थ “एक लाख दीपों “से है।
- यह द्वीप समूह मुख्यतः प्रवाल भित्ति से निर्मित है।
- यह द्वीप भारत के पश्चिम तट से लगभग 200 से लेकर 300 किलोमीटर दूर स्थित है।
- इन द्वीपों का विस्तार 8 डिग्री से 12 डिग्री उत्तरी अक्षांश तथा 71 डिग्री 40 मिनट से लेकर 74 डिग्री देशांतर के बीच है।
- इन का कुल क्षेत्रफल 32 वर्ग किलोमीटर है।
- कवारत्ती इस बीच इस द्वीप एवं केंद्र शासित प्रदेश की राजधानी है।

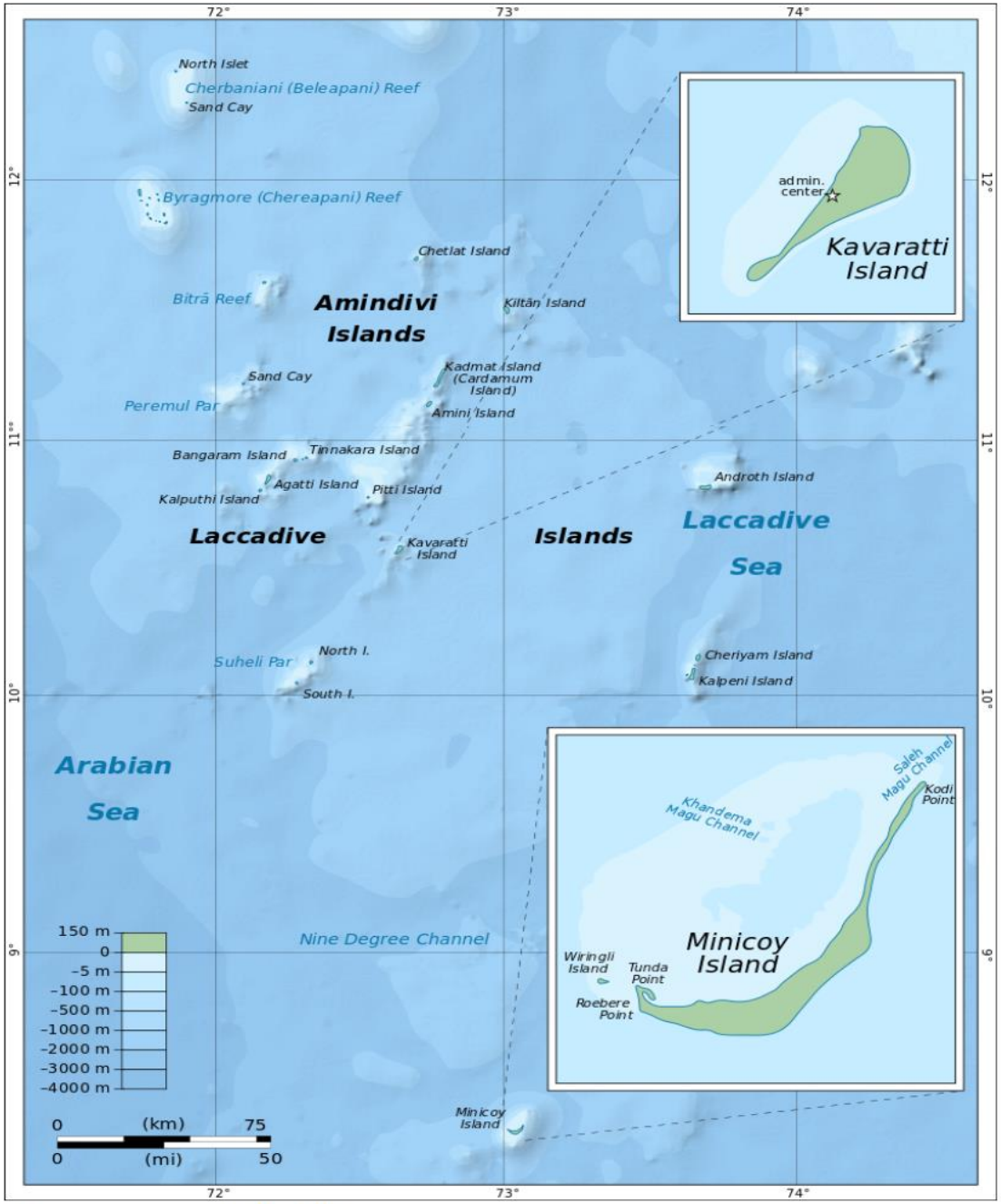

Source: www.civilsdaily.com

- इस द्वीप समूह में कुल 36 द्वीप है, जिसमें से 10 द्वीपों पर मानव की बसावट है जबकि शेष निर्जन है।
- इस द्वीप समूह का सबसे बड़ा द्वीप लक्ष्यद्वीप है जबकि अमीदीप सबसे छोटा द्वीप है।
- अमीनीद्वीप उप समूह में अमीनी, चैटलेट, कादामत, बितरा, पेरूमल पार सम्मिलित है।
- लक्षद्वीप उप समूह में एंड्रोथ, कलपनी, कवारत्ती पित्ती, सुहेली पार सम्मिलित है।
- दोनों द्वीपीय उप समूह पित्ती तट द्वारा एक दूसरे से जुड़े हुए।
- दक्षिणी भाग में मिनिकॉय द्वीप स्थित है, जो कि एक एटोल (प्रवाल) है।
- मिनिकॉय ,9 डिग्री चैनल (9 डिग्री उत्तरी अक्षांश)द्वारा मुख्य लक्षद्वीप से अलग होता है।
- 8 डिग्री चैनल (8 डिग्री उत्तरी अक्षांश) मिनिकॉय द्वीप को मालदीप से पृथक करता है।

बंगाल की खाड़ी के द्वीप:

1. तट के निकटवर्ती द्वीप:-

- गंगा नदी के डेल्टा क्षेत्र में इस प्रकार के द्वीप अधिक संख्या में स्थित है।
- जिनका निर्माण नदियों के द्वारा लाई गई कांप मृदा के द्वारा हुआ है।
- हुगली के सामने 20 किलोमीटर लंबा गंगासागर द्वीप है।
- 24 परगना के पास अनेक कटे-फटे मग्न तटीय द्वीप पाए जाते हैं।
- महानदी, ब्राह्मणी नदी डेल्टा में भी छोटे छोटे द्वीप पाए जाते हैं।
- गोदावरी, कृष्णा, कावेरी नदी डेल्टा क्षेत्रों में द्वीप का अभाव है।
- भारत और श्रीलंका के बीच स्थित मन्नार की खाड़ी में पंबन द्वीप स्थित है, जो कि आदम पुल का एक हिस्सा है।
- आंध्र प्रदेश के तटीय क्षेत्र में स्थित पुलिकट झील के निकट श्रीहरिकोटा द्वीप स्थित है।

बंगाल की खाड़ी के द्वीप:

2. सुदूरवर्ती दीप- अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह

- इस द्वीप समूह में कुल 345 छोटे, बड़े द्वीप हैं।
- इस का कुल क्षेत्रफल लगभग 8250 वर्ग किलोमीटर है।
- यह द्वीप समूह बंगाल की खाड़ी में 6°45’ से लेकर 13°41’ उत्तरी अक्षांश के मध्य तथा 92°1’2 से लेकर 93°57’ पूर्वी देशांतर के मध्य विस्तृत है।
- यह द्वीप समूह भारत का सबसे बड़ा केंद्र शासित प्रदेश है।

- इस द्वीप समूह की राजधानी पोर्ट ब्लेयर है, जो कि ग्रेट अंडमान के दक्षिणी अंडमान द्वीप में पर स्थित है
- इस द्वीप समूह में अंडमान द्वीप समूह एवं निकोबार द्वीप समूह सम्मिलित है।
- 10 डिग्री चैनल (10 डिग्री उ. अक्षांश) द्वारा दोनों द्वीप समूह पृथक होते हैं।
- यह द्वीप समूह ,म्यांमार की अराकान योमा श्रेणी के विस्तृत भूभाग हैं जिनकी उत्पत्ति तृतीयक कल्प में हुई है।

Source: www.gktoday.in

अंडमान द्वीप समूह:

- यह द्वीप समूह 10°20’ से 14° उत्तरी अक्षांश तथा 92°20’ से 93°20’ पूर्वी देशांतर के बीच लगभग 300 किलोमीटर की लंबाई में फैला हुआ है।
- दीप समूह में ग्रेट अंडमान (उत्तरी अंडमान ,मध्यवर्ती अंडमान, तथा दक्षिणी अंडमान) तथा लिटिल अंडमान सम्मिलित है।
- दक्षिणी अंडमान एवं लिटिल अंडमान को डंकन मैसेज पृथक करता है।
- अन्य द्वीपों में इंटरव्यू द्वीप, लैंडफॉल द्वीप, सेंटिनल द्वीप, रुटलैंड द्वीप इत्यादि सम्मिलित है।

- समूह का कुल क्षेत्रफल लगभग 6408 वर्ग किलोमीटर है।
- 2418 इस द्वीप समूह की सबसे ऊंची चोटी सैंडल पिक है जिसकी ऊंचाई 2418 फीट है तथा यह उत्तरी अंडमान में स्थित है
- यहां की भू -आकृतिक संरचना की बनावट में शैल, चूना पत्थर तथा बलुआ पत्थर का योगदान है।
- संपूर्ण दीप समूह की धरातलीय संरचना उबड़ - खाबड़ सी है, केवल लिटिल अंडमान के दक्षिणी भाग में मैदानी भूभाग देखने को मिलता है।
- इन द्वीपों का पश्चिमी तट प्रभाव प्रवाल द्वारा निर्मित है।

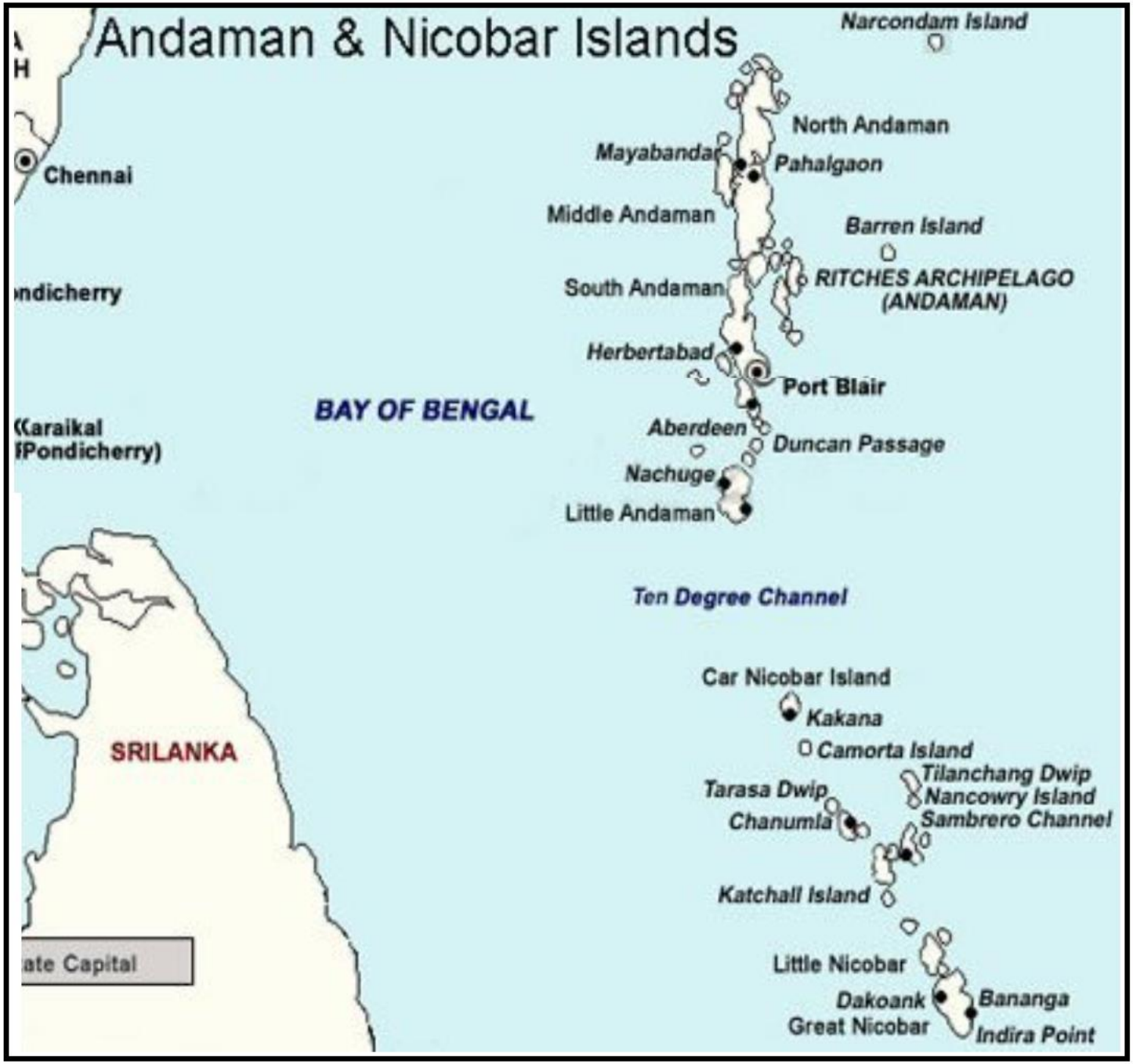

Source: neostencil.com

निकोबार द्वीप समूह :

- यह द्वीप समूह, 19 द्वीपों का समूह है।
- जिसका विस्तार 6°30’ से 9°30’ उत्तरी अक्षांश के मध्य स्थित है।
- निकोबार द्वीप समूह का कुल क्षेत्रफल 1841 वर्ग किलोमीटर है।
- इस द्वीप समूह के उत्तरी भाग में कार निकोबार, उसके बाद कामोरता, कटचैल तथा नानकोवरी द्वीपों की श्रंखला है और दक्षिणी भाग में ग्रेट निकोबार द्वीप स्थित है।

धन्यवाद

Disclaimer: The content displayed in the PPT has been taken from variety of different websites and book sources. This study material has been created for the academic benefits of the students alone and I do not seek any personal advantage out of it